>

Title : Need to locate and recover nuclear fuelled power pack allegedly lost in the slopes of Mount Nanda Devi in Uttarakhand posing a serious threat of radiation.

श्री सतपाल महाराज (गढ़वाल): मैं आपके माध्यम से सदन का ध्यान 1965 में अमेरिकन खुफिया एजेंसी सी.आई.ए. द्वारा गढ़वाल में हिमालय की नंदा देवी चोटी पर लुप्त हुए आणविक पैक की ओर आकर्षित करना चाहता हूं। प्राप्त जानकारी के अनुसार अमेरिका की खुफिया एजेंसी ने पड़ोसी देश की सेना द्वारा टेस्ट की गई मिसाइलों की जानकारी के लिए एक नाभिकीय उपकरण, जिसमें उन्होंने प्लूटोनियम 238 की नाभिकीय शक्ति का प्रयोग किया था, उसे स्थापित करने के लिए भारतीय तथा अमेरिकी पर्वतारोही दल को गढ़वाल में नंदादेवी की चोटियों पर भेजा। जहां तूफान में फंसने के कारण वह उस आणविक पैक को वहीं छोड़कर लौट गये। बाद में जब वो उसे वापिस लेने गए तो वह उसे ढूढ़ने में सफल नहीं हुए। नाभिकीय ऊर्जा की गर्मी के कारण शायद वह पैक बर्फ को पिघलाता हुआ, नीचे चट्टानों में कहीं दब गया। इस के बाद कई बार इस लुप्त हुए नाभिकीय पैक को ढूंढ़ने के लिए कई अभियान चलाए गए परंतु आज तक इसमें कोई सफलता नहीं लगी। अब मुख्य खतरा इस बात का पैदा हो गया है कि जैसे-जैसे वह आणविक पैक धरती की गर्त में जाता जायेगा वैसे-वैसे नदियों के पानी एवं भूजल में रिडियोधर्मिता के दुप्रभाव का खतरा बढ़ता जायेगा। हमारी नदियों, मुख्यतः गंगा की पवित्र धाराओं में आणविक प्रदूषण का खतरा बढ़ गया हे। यदि इसका एक बार प्रभाव हमारी नदियों में आ गया तो कितने व्यापक स्तर पर तबाही होगी, इसका आंकलन करना भी कठिन है।

अतः मेरा आपके माध्यम से केन्द्र सरकार से अनुरोध है कि वह लुप्त आणविक पैक से संभावित खतरों को देखते हुए इसकी मासिक अथवा त्रैमासिक स्तर पर जांच करवाई जाए तथा रेडियेशन के दुप्रभावों को दृष्टिगत रखते हुए सुरक्षात्मक योजना तैयार करे जिससे ऐसे किसी विकट समय में व्यापक क्षति को रोका जा सके।